राज्यपाल सचिवालय
राजभवन, जयपुर

गोविन्द गुरू जनजातीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित

नई शिक्षा नीति विकसित भारत और विश्वगुरु भारत बनाने में महत्वपूर्ण – राज्यपाल

जयपुर/बांसवाड़ा, 2 मई। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने शुक्रवार को गोविन्द गुरू जनजातीय विश्वविद्यालय–बांसवाड़ा में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में कहा कि भारतीय प्राचीन ज्ञान विश्व को आधुनिक दृष्टि प्रदान करने वाला है। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़ी नई शिक्षा नीति के जरिए विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता विकास के साथ उनमें रचनात्मक गुण विकसित किए जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति भारत को विकसित राष्ट्र ही बनाने में महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि इसके जरिए फिर से देश विश्व गुरु बनेगा। उन्होंने नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में शिक्षक और शिक्षण संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका बताते हुए कहा कि आचार्य वह है जो अपने आचरण से आदर्श प्रस्तुत करे।

श्री बागडे ने आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा–राजस्थान एवं शिक्षा संस्कृतिक उत्थान न्यास के संयुक्त तत्वावधान में गोविन्द गुरू जनजातीय विश्वविद्यालय के राणा पूंजा सभागार में आयोजित '' राष्ट्रीय शिक्षा नीति क्रियान्वयन में शिक्षक एवं शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका'' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में यह बात कही।

राज्यपाल ने कहा कि नया, विकसित, सर्वश्रेष्ठ और विश्व गुरु भारत बनाने में नई शिक्षा नीति महत्वपूर्ण है। नई शिक्षा नीति को बनाने में कई शिक्षाविदों ने योगदान दिया है। नई शिक्षा नीति भारतीय परंपरा और संस्कृति के अनुसार है। शिक्षा नीति सभी तक आसान पहुंच, गुणवत्ता, जवाबदेही जैसे प्रमुख स्तंभों पर विकसित की गई है। उन्होंने कहा कि शिक्षक ज्ञान को अपने तक सीमित न रखें। इसे विद्यार्थियों तक पहुंचाए ताकि ज्ञानवान, प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का निर्माण हो जो देश का नाम विश्व में रोशन करें। उन्होंने कहा कि शिक्षक और विद्यार्थी का आचरण अच्छा होना चाहिए। विद्यार्थी शिक्षकों को देखकर उनके सामान आचरण करते हैं इसलिए शिक्षक अपने आचरण से विद्यार्थियों को प्रेरित करें। शिक्षक रुचिपूर्ण शब्दों, उदाहरणों, कहानियों के माध्यम से विद्यार्थियों का विषय के प्रति ध्यान आकर्षित करें। उन्होंने कहा कि बच्चों की बौद्धिक क्षमता, शारीरिक क्षमता, नैतिक व भावनात्मक विकास की जिम्मेदारी हम सभी की है।

उन्होंने इससे पहले वानस्पतिक उद्यान और जनजातीय संग्रहालय का अवलोकन भी किया ।कार्यक्रम में शिक्षा संस्कृति उत्थान, नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। गोविन्द गुरू जनजातीय विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो. के.एस. ठाकुर ने स्वागत उद्बोधन दिया।

———

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर राज्यपाल की बधाई एवं शुभकामनाएं

जयपुर 2 मई। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस (3 मई) पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

राज्यपाल श्री बागडे ने कहा है कि मीडिया को हमारे यहां लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ माना गया है। मीडिया आम जन को संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक करने के साथ ही कर्तव्यों के लिए सजग करता है। उन्होंने कहा कि प्रेस की स्वतंत्रता ही संवैधानिक अधिकार एवं मानवाधिकारों को सुनिश्चित करने का बड़ा आधार है।

राज्यपाल ने विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और वेब मीडिया से जुड़े सभी पत्रकारों के लिए शुभकामनाएं देते हुए पत्रकारिता के स्वस्थ मूल्यों के साथ लोकतंत्र के सजग प्रहरी के रूप में कार्य करने का आह्वान किया है।

———

राष्ट्रीय कार्यशाला

गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बाँसवाड़ा, आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, राजस्थान (जयपुर) एवं
शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में
राष्ट्रीय कार्यशाला
''राष्ट्रीय शिक्षा नीति क्रियान्वयन में शिक्षक एवं शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका''
02-03 मई 2025, बाँसवाड़ा
मिति वैशाख शुक्ल, पंचमी-षष्ठी, विक्रम संवत् 2082
गोविन्द गुरु
जनजातीय

गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बाँसवाड़ा, आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, राजस्थान (जयपुर) एवं
शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में
राष्ट्रीय कार्यशाला
क्षा नीति क्रियान्वयन में शिक्षक एवं शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका''
02-03 मई 2025, बाँसवाड़ा
2082

गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बाँसवाड़ा, आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, राजस्थान (जयपुर) एवं
शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में
कार्यशाला
नीति क्रिया
में शिक्षक एवं शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका''
मई 2025, बाँसवाड़ा